CMYK

RNI NO.: MAHHIN/2006/16907

Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

ऑल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र

RNI No.MAHHIN/2006/16907

संपादक : रफीक एम. शेख   कार्यकारी संपादक : अहमद शेख

मुंबई, 11 दिसंबर 2020 से 17 दिसंबर 2020 | वर्ष 15 | अंक 06 | Web: aibnews.co.in | पृष्ठ : 8 | कीमत : दो रुपये

अरबाज खान से लेकर वरुण धवन तक, इन एक्टर्स से है हेयर स्टाइलिस्ट सूरज गोदम्बे का

ड्रग्स मामले में गिरफ्तार

इंद्रदेव पांडे

मुंबई – बॉलीवुड ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए नामी हेयर स्टाइलिस्ट सूरज गोदांबे को गिरफ्तार किया है. ठउइ ने आरोपी के पास से 11 ग्राम कोकीन बरामद की है. आरोपी सूरज मेकअप आर्टिस्ट इंडस्ट्री में जाना पहचाना नाम है. ठउइ आरोपी से पूछताछ में कुछ और अहम खुलासे होने की उम्मीद कर रही है. सूरज गोदांबे बॉलीवुड के मशहूर प्रोडक्शन हाउस में मेकअप डिपार्टमेंट का हेड है, जिसका मायानगरी की बड़ी हस्तियों के साथ उठना बैठना है. वरुण धवन के साथ सुरज गोदांबे ने कुछ दिनों पहले फोटो पोस्ट की थी. वरुण फोटो में गंजी पहने नजर आ रहे हैं.राज कुमार राव के साथ सुरज गोदांबे ने कुछ दिनों पहले फोटो पोस्ट की थी. ये फोटो किसी फिल्म के सेट की है. सुरज, राज कुमार राव के हेयर सेट कर रहे है.

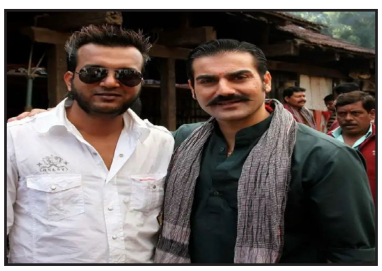

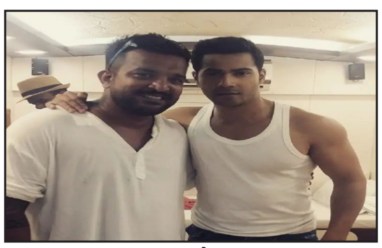

अरबाज खान के साथ सुरज गोदांबे की कई फोटोज हैं. सूरज गोदांबे अरबाज खान के साथ अक्सर फोटोज पोस्ट करता रहता है. ये फोटो भी सूरज गोदांबे ने शेयर की है. ये फोटो फिल्म ह्रदबंगह्न के सट की लग रही है. इस फोटो में अरबाज खान अपने रोल के अनुसार कपड़े पहने नजर आ रहे हैं.

फुकरे स्टार वरुण शर्मा के साथ भी सूरज की फोटो सामने आई है. वरुण और सूरज एक दूसरे के कंधे पर हाथ रखे दिख रहे हैं. एक्ट्रेस अमीषा पटेल के भाई अश्मित पटेल के साथ सुरज गोदांबे की एक फोटो सामने आई है. दोनों हाथ में टी-शर्ट पकड़े दिख रहे हैं.

मुंबई के लोखंडवाला क्षेत्र में NCB की छापेमारी महाकाल नामक ड्रग सप्लायर गिरफ्तार

इंद्रदेव पांडे

मुंबई – सुशांत सिंह राजपूत ड्रग केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग सप्लायर और पैडलर रेगल महाकाल को गिरफ्तार किया है. एनसीबी की टीम अंधेरी के लोखंडवाला में छापेमारी कर रही है.

सुशांत सिंह राजपूत ड्रग केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग सप्लायर और पैडलर रेगल महाकाल को गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि महाकाल, अनूक केशवानी को ड्रग्स आपूर्ति करता था. केशवानी ने इन ड्रग्स को कैजान को दिया, जो रिया और शोविक के माध्यम से सुशांत तक पहुंच गई. एनसीबी की टीम अंधेरी के लोखंडवाला में छापेमारी कर रही है. अभी तक बड़ी मात्रा में नकदी और ड्रग्स बरामद हुए हैं. छापेमारी चल रही है. गौरतलब है कि फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही कई एजेंसियों ने मुंबई में डेरा डाला हुआ है. केस की जांच के दौरान ड्रग्स से जुड़ी बातें सामने आई थीं, जिसकी कड़ियां अभी तक जुड़ती जा रही हैं.

अभी तक ठउइ कई फिल्म स्टार्स, टीवी स्टार्स, प्रोडक्शन कंपनियों के जुड़े लोगों से पूछताछ कर चुकी है. बीते दिनों ठउइ ने कॉमेडियन भारती सिंह के घर से करीब 86.5 ग्राम गांजा बरामद किया था. जिसके बाद भारती और उनके पति हर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया. जब भारती और हर्ष ने अदालत में बेल की गुहार लगाई तो उन्हें आसानी से जमानत मिल गई.

फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की मैनेजर करिश्मा प्रकाश के यहां भी कुल 1.7 ग्राम हैश बरामद हुआ था. जब करिश्मा ने अग्रिम जमानत की अर्जी डाली, तब भी ठउइ का कोई अधिकारी कोर्ट में नहीं था तो बेल मिल गई. अब ठउइ की ओर से ठउढ़र कोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिसमें भारती सिंह, हर्ष को मिली बेल को चैलेंज किया गया है.

85 लाख रुपये से अधिक के नकली नोट जब्त के साथ तीन आरोपियों ठाणे क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

इंद्रदेव पांडे

मुंबई – महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।टीम ने नकली नोटों के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (क्राइम) लक्ष्मीकांत पाटिल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि नकली नोटों की बिक्री के लिए कुछ लोग बुधवार शाम को कपूरबावड़ी आ रहे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ निरीक्षक विकास के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक जाल बिछाया और आरोपी सचिन आग्रे (29) को पकड़ लिया और उसके पास से 85.48 लाख रुपये के 2000 रुपये वाले नकली नोट बरामद किए। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि दो अन्य आरोपियों के नाम बताए। जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। जिनकी पहचान मंसूर हुसैन खान (45) और चंद्रकांत महादेव माने (45) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि आग्रे और खान रत्नागिरी के चिपलून से हैं, जबकि माने मुंबई का रहने वाला है। आरोपियों के खिलाफ कपूरबावड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

CMYK

संपादकीय / लेख

राजनीति से अपेक्षा

किसानों के समर्थन में आयोजित कल का भारत बंद शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, तो यकीनन इसके लिए प्रशासन और आंदोलनकारी, दोनों की सराहना की जाएगी। इस बंद को देश की ज्यादातर विपक्षी पार्टियों और अनेक सामाजिक संगठनों ने अपना समर्थन दिया था और यही वजह है कि कई राज्यों में इसका असर दिखा भी है। दरअसल, किसानों और जवानों के प्रति भारत में एक विशेष अनुराग का भाव शुरू से रहा है। इसलिए उनकी मांगों से आम जनता को कभी शिकायत नहीं होती। सरकारों का रवैया भी उनके प्रति अमूमन संजीदगी और सहानुभूति भरा ही रहता है। नए कृषि कानूनों से जुड़े मौजूदा विवाद में भी सरकार और किसानों के बीच कई दौर की वार्ताओं से साफ है कि बातचीत से एक संतोषजनक रास्ता निकालने की कवायद की जा रही है।

बहरहाल, भारत बंद को जिस बडे.पैमाने पर विपक्षी दलों ने अपना समर्थन दिया, इसका नैतिक पहलू तो खैर अपनी जगह है ही, मगर इसके अलग राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। यह एक सच्चाई है कि भाजपा विरोधी पार्टियां केंद्र सरकार की कतिपय नीतियों के विरुद्ध अपने बूते देश भर में कोई राजनीतिक आंदोलन खड़ा करने में खुद को असमर्थ पा रही थीं, ऐसे में, किसानों को हासिल व्यापक जन-सहानुभूति के सहारे उन्होंने अपनी भूमिका रची है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, खासकर इसके पश्चिमी हिस्से में किसान एक बड़े वोटबैंक भी हैं और इन राज्यों में राजनीतिक रूपरेखा तय करने में उनका अहम रोल होता है। पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2022 के शुरुआती महीनों में ही होने वाले हैं, ऐसे में राजनीतिक पार्टियों को स्वाभाविक ही उन मुद्दों और मौकों की तलाश होगी, जो उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करे। और इसमें कोई दोराय नहीं कि किसान आंदोलन में एनडीए विरोधी पार्टियों ने वह मौका ढूंढ़ लिया है। कुछ विपक्षी पार्टियां तो पुराने रुख से कलाबाजी मारते हुए किसानों के साथ आ खड़ी हुई हैं।

किसान आंदोलन की मांगों और चिंताओं के लिहाज से भारत बंद कितना फलदायी रहा, यह तो आने वाले दिनों में पता चलेगा, लेकिन कृषक नेताओं ने अब तक जिस तरह से मुख्यधारा के राजनेताओं को अपने मंच से दूर रखा और परोक्षतः उनका समर्थन भी जुटाया, इससे उनकी अक्लमंदी तो झलकती ही है। भारतीय लोकतंत्र में अपनी बात को शासन तक पहुंचाने के जो रास्ते संविधान ने नागरिकों, राजनीतिक दलों को दिए हैं, उनके इस्तेमाल से किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती? लेकिन कोई भी परिपक्व लोकतंत्र अपने राजनीतिक दलों से यह भी अपेक्षा करेगा कि वे समाधान का पुल बनें। किसान आंदोलन के समाधान में जिम्मेदार पार्टियों को यह भूमिका भी अपनानी चाहिए। कोराना और आर्थिक बदहाली के मद्देनजर भी इस गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। इतनी सर्दी में खुले आकाश के नीचे बैठे हजारों किसानों और सरकार के बीच संवाद तो चल ही रहा है। पर उनके रुख को लचीला बनाने में देश के तमाम राजनीतिक दल अहम रोल निभा सकते हैं, और इसमें राजग के घटकों और विरोधी पार्टियों, सबको सहयोग करना चाहिए। दुर्योग से हम एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति के शिकार बनते जा रहे हैं, जिसमें राजनीतिक दलों के बीच आपसी संवाद की गुंजाइश लगातार सिकुड़ती जा रही है।

किसान आंदोलन बनाम जन आंदोलन

किसानों का भारत बंद बड़े स्तर पर सफल रहा, जिसका व्यापक असर देखने को मिला। पिछले दो माह से संघर्षरत किसानों के आंदोलन में कृषि से नहीं जुड़े होने के बावजूद आम लोगों व विभिन्न संगठनों के समर्थन ने आंदोलन में जान फूंक दी। वकील, पत्रकार, आढ़तियों, कर्मचारी संगठनों, गायक व धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही। इस सफल बंद ने यह संदेश दिया कि कृषि को लेकर चिंता केवल किसान वर्ग को ही नहीं बल्कि समाज के अन्य वर्गों को भी है, जिनका रोजगार कृषि से जुड़ा हुआ है। 20 के करीब राजनीतिक पार्टियों ने भी किसान आंदोलन का समर्थन किया। अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी किसान तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने की मांग कर रहे हैं।

भले ही कानूनों को लेकर सरकार के अपने तर्क हैं, लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ इतने बड़े स्तर पर विरोध होना उसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाता है। कोई भी कानून जनता के हित में होना चाहिए। जब किसानों के तर्कों को खुद सरकार ने स्वीकार किया और कहा कि कानूनों में संशोधन संभव है, फिर सहमति से किसानों की चिंता का निवारण होना चाहिए। किसान नेताओं का दावा यह प्रमाणित करता है कि मीटिंग दौरान कई बिंदुओं पर मंत्रियों और अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं था। भले ही इस आंदोलन में राजनीतिक पार्टियों ने अपना-अपना बचाव व राजनीति चमकाने की कोशिश की, फिर भी आंदोलन में किसान और राजनीति अलग-अलग ही रहे हैं। अक्सर यही होता है कि विरोधी पार्टियां सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करती हैं लेकिन वह भी इतने बड़े स्तर पर संघर्ष करने में कभी सफल नहीं हो सकी।

अभी तक किसी भी राजनीतिक दल को स्टेज पर चढ़कर बोलने नहीं दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं को विरोध का भी सामना करना पड़ा। किसान नेताओं ने संयम रखते हुए आंदोलन को राजनीतिक रंग नहीं चढ़ने दिया। किसान आंदोलन की यह भी एक उपलब्धि है कि उनका संघर्ष शांतिपूर्वक व सैद्धांतिक रहा है। किसानों ने सरकार के बातचीत के मुद्दे को स्वीकार कर पांच बैठकें की। अब सरकार को किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर उनकी शंकाओं को दूर कर समाधान निकालना चाहिए। मौसम व अन्य समस्याओं से जूझ रहे किसानों के संघर्ष का कोई सकारात्मक समाधान होना चाहिए। बैठकों में मुद्दे को लटकाया ना जाए। मुद्दे लटकाना राष्ट्र की हानि करता है।

मेघा तिवारी बनीं अखिल भारत हिन्दू महासभा पत्रकार सभा छतीसगढ़ की प्रदेश अध्यक्ष

इंद्रदेव पांडे

मुंबई - आज दिल्ली कार्यालय में अखिल भारत हिन्दू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुश्री राज्यश्री चौधरी जी ने छतीसगढ़ की तेज तर्रार पत्रकार मेघा तिवारी जी को अखिल भारत हिन्दू महासभा छतीसगढ़ (पत्रकार सभा) का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है. इस नियुक्ति से छतीसगढ़ की जनता में खुशी की लहर दौड़ रही है. राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल त्रिपाठी जी और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कौशिक जी और समस्त पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है. अखिल भारत हिन्दू महासभा 1915 में रजिस्टर्ड हुई और इस महासभा की वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता जी सुभाष चंद बोस की परपोती और संयुक्त राष्ट्र वठ की सलाहकार सच्ची राष्ट्र भक्त आदरणीया सुश्री राज्यश्री जी हैं जिन्होंने अमेरिका में हारवर्ड यूनिवर्सिटी में भी भारत का सम्मान बढ़ाया. हिन्दू महासभा में योगीजी के गुरूजी अवैध्यनाथ और श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी सांसद रह चुके हैं. राष्ट्रीय अध्यक्षा जी ने पत्रकार मेघा तिवारी जी को आशीर्वाद दिया और मेघा जी के उज्जवल भविष्य की कामना की.

'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' से डॉ. ऋचा सिंह सम्मानित

इंद्रदेव पांडे

मुंबई - करणी सेना की मुंबई प्रदेश अध्यक्ष डॉ ऋचा सिंह को लिजेंट दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया ये पुरस्कार उनको अश्लील वेब सीरीज का विरोध करने और सरकार से उस पर सेंसर के अंतर्गत लाने के लिए दिया गया।

डॉ ऋचा सिंह द्वारा समाज में निरंतर सामाजिक कार्यों को भी देखते हुए सभी ने उनकी प्रशंसा की।

22 वर्षीय महिला पर धारदार हथियार से हमला

नालासोपारा : नालासोपारा (पूर्व) में एक 22 वर्षीय महिला के ऊपर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किये जाने का मामला प्रकाश में आया है. घटना की शिकायत पर तुलिंज पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. उक्त मामले में आगे की करवाई पुलिस द्वारा की जा रही है.

मिली जानकारी के अनुसार नालासोपारा (पूर्व) के तुलिंज, टाकीरोड स्थित वैतीवाडी निवासी सोनिया राकेश मारू नामक (22) वर्षीय महिला ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर बताया कि आमिर इकबाल शेख को वह भाई जैसा मानती है. 8 दिसंबर को आमिर उसके घर मिलने गया था. उसी दौरान रवि बिड़लान, आकाश बिड़लान, बबूल बिड़लान व झोलर बिड़लान भी आ पहुंचे और दोनों में कहासुनी होने लगी. उसी बीच वो लोग चिल्लाते हुए आमिर को अपमानित करने लगे, जिसे छुड़ाने के लिए जब सोनिया गयी तो उसपर उनके एक साथी ने लोहे के धारदार हथियार से हमला कर दिया. जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गयी. उपचार के लिए उसे समीप स्थित अस्पताल में पहुंचाया गया.

सोनिया की शिकायत के आधार पर पुलिस ने चारों

मामूली विवाद में गाड़ी से कुचलकर युवक की हत्या

कल्याण : होटल में हुए मामूली विवाद को लेकर आधा दर्जन लोगों ने एक युवक को गाड़ी से कुचलकर मार डाला। घटना के कुछ ही घण्टों बाद सीसीटीवी के माध्यम से मानपाड़ा पुलिस ने हत्या करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है और आगे की कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है। निर्ममता से की गई युवक की हत्या से परिसर में खलबली मच गई है, लोग इस घटना की निंदा कर रहे हैं।

मानपाड़ा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डोंबिवली पूर्व के एमआईडीसी (MIDC) स्थित घरडा केमिकल कंपनी के कैंटीन में सोमवार दोपहर 2 बजे के करीब शशांक महाजन नामक युवक अपने एक दोस्त के साथ बैठा था, उसी समय किसी बात को लेकर एक युवक से विवाद हो गया। कुछ देर बाद शशांक अपने मित्र के साथ वहां से निकला और घर जाने के लिए शशांक ने ओला बुक की और उसी का इंतजार कर रहा था। कुछ देर इंतजार करने के बाद भी जब ओला टैक्सी नहीं आई तो वह अपने दोस्त के साथ पैदल ही घर की ओर चल पड़ा, रास्ते में कुछ दूर जाने के बाद शशांक के पीछे एक लाल रंग की कार आई, जिसे देखने के बाद उसे लगा की ओला टैक्सी ही है।

लाल रंग की कार से कुछ लोग उतरे और शशांक की पिटाई करने लगे और शशांक बुरी तरह जख्मी होकर जब जमीन पर गिर गया तो हत्यारों ने उसके ऊपर कार चढ़ा दी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

इस घटना की सूचना मिलने पर मानपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहरि चौरे के निर्देशानुसार एपीआई सुरेश डांबरे ने अपनी पुलिस टीम के साथ जांच-पड़ताल शुरू की और कुछ ही घण्टों में परिसर में लगे सीसीटीवी के माध्यम से मानपाड़ा पुलिस ने रोहित गुरव, निखिल सावंत, विनय लक्ष्मण लंका, निनाद म्हात्रे, सचिन पाटिल और विक्रांत शत्रु तांडेल नामक 6 हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया। मानपाड़ा पुलिस ने हत्यारों के आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है और आगे की तहकीकात की जा रही है।

संजय राउत बोले- शिवसेना ने कभी नहीं किया नए कृषि कानूनों का समर्थन, गलत आरोप लगा रही BJP

मुंबई : शिवसेना के सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने लोकसभा में तीनों कृषि कानूनों का कभी समर्थन नहीं किया और बीजेपी गलत आरोप लगा रही है। वहीं, राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल एनसीपी (NCP) ने कहा कि वार्ता के जरिए किसानों की समस्या का समाधान करना केंद्र सरकार का नैतिक दायित्व है। संजय राउत ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ भारत बंद कर रहे किसानों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बात करनी चाहिए। शिवसेना नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि गैर राजनीतिक बंद को देशभर से लोगों का समर्थन मिल रहा है। राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने भारत बंद को अपना समर्थन दिया है। राउत ने बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस की उस टिप्पणी को खारिज किया कि शिवसेना ने लोकसभा में नए कृषि कानूनों का समर्थन किया था।

उन्होंने कहा कि शिवसेना ने ऐसा कभी नहीं किया। राउत ने कहा कि बंद में कोई राजनीति नहीं है और यदि सरकार के पास दिल है तो प्रधानमंत्री या गृह मंत्री को किसानों से बात करनी चाहिए।

ऑल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र
Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

मुंबई, 11 दिसंबर 2020 से 17 दिसंबर 2020

किसान आंदोलन का चीन-पाकिस्तान कनेक्शन बोल घिरे रावसाहेब दानवे, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री बोले 'घर में घुसकर मारेंगे'

मुंबई : कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन का चीन-पाकिस्तान कनेक्शन बताने पर केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बयान की आलोचना हो रही है। किसान नेताओं ने केंद्रीय मंत्री के बयान को किसानों का अपमान बताया। वहीं महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री बच्चू कडु ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विवादित बयान दे दिया है। बच्चू कडु ने रावसाहेब दानवे के बारे में यहां तक कह दिया कि वह केंद्रीय मंत्री के घर में घुसकर मारेंगे।

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री बच्चू कडु ने रावसाहेब दानवे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

ह्यपिछली बार उन्होंने ऐसा बयान दिया था, तो हमने उनके आवास का घेराव किया था। अब स्थिति यह है कि हमें उनके घर में घुसना होगा और उन्हें पीटना होगा। इससे पहले शिवसेना सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अगर इसमें पाकिस्तान का हाथ है तो सरकार को सर्जिकल स्ट्राइक करनी चाहिए।

संजय राउत ने कहा, ह्यअगर केंद्र के एक मंत्री यह जानकारी दे रहे हैं कि यह जो किसान आंदोलन चल रहा है, इसके पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है, तो रक्षा मंत्री को तुरंत चीन और पाक पर सर्जिकल स्ट्राइक करना चाहिए और राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और सेनाओं की चीफ को को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वहीं ऑल इंडिया किसान सभा के महासचिव हन्नन मुल्ला ने कहा, ह्ययह भारतीय किसानों का अपमान है। किसान खुद अपने हितों का नेतृत्व करते हैं और किसी दूसरी ताकत के लिए परेशान नहीं होते।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने बुधवार को दावा किया था कि तीन नए कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग को लेकर जारी किसानों विरोध प्रदर्शनों के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर पहले मुसलमानों को गुमराह किया गया, लेकिन ये प्रयास सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि अब किसानों को बताया जा रहा है कि नए कानूनों के कारण उन्हें नुकसान होगा।

ठाणे : नाइट्रोजन सिलेंडर में विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

महाराष्ट्रः महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी क्षेत्र में एक फैक्टरी में बुधवार दोपहर को विस्फोट हो गया, जिससे दो मजदूरों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना वालपाड़ा में पारसनाथ कम्पाउंड के जे ई मैकेनिकल में हुई। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संतोष कदम ने बताया कि नाइट्रोजन गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया, जिससे छह मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि प्रेम अनंत भोयर (24) और अक्षय अशोक गौतम (21) की बाद में मौत हो गई। नारपोली पुलिस घटना की जांच कर रही है।

लोकल ट्रेन से रोजाना यात्रा करने वालों की संख्या हुई 15 लाख के पार

मुंबई : अक्टूबर में राज्य सरकार ने सामान्य लोगों को शर्तों के साथ मुंबई लोकल में अनुमति देने की जो मांग की थी, उसके बाद अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में तय हो गया कि फिलहाल सामान्य लोगों की पहुंच से मुंबई लोकल दूर है। दिल्ली और राजस्थान में सर्दी के कारण संक्रमण के मामले बढ़ने से भी सरकार ने फैसले को टाल दिया। चार राज्यों से आने वाले लोगों के लिए शर्तें लगा दीं। इसी बीच मुंबई की लोकल ट्रेनों में अब रोजाना करीब 15 लाख यात्री सफर करने लगे हैं।

मुंबईकरों के बीच चर्चा है कि 15 दिसंबर तक सरकार सामान्य लोगों को अनुमति देने की मांग दोबारा कर सकती है। दरअसल, दशहरा फिर दिवाली में भीड़ जुटने के बावजूद अब संक्रमण के नए मामलों में कोई चिंताजनक वृद्धि नहीं हुई है। दूसरी ओर अन्य राज्यों से आने वाले लोगों की जांच में भी कोई चिंताजनक आंकड़े नहीं आए हैं। ऐसे में लोगों का मानना है कि कोई फैसला जल्द हो सकता है। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, 28 अक्टूबर के बाद लोगों को ट्रेनों में अनुमति देने को लेकर राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई औपचारिक बात नहीं हुई है। ऐसे में 15 दिसंबर से सामान्य लोगों को अनुमति मिलने पर फिलहाल को फैसला नहीं लिया जा रहा है।

मुंबई में रोजाना पश्चिम रेलवे पर रोजाना औसतन 6.5 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। इतने ही यात्री मध्य रेलवे पर यात्रा कर रहे हैं। रेलवे द्वारा प्राप्त ये आंकड़े उन यात्रियों से जुड़े हैं जो आधिकारिक तौर पर टिकट खरीदकर यात्रा कर रहे हैं। अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों की मानें तो शाम के वक्त ट्रेनों में अब पहले जैसी स्थिति होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। रात 9 बजे के बाद तो टैक्सी या ऑटो वाले, होटल व्यवसाय से जुड़े लोग, सब्जी बेचने वाले लोग सब लोकल में बेटिकट यात्रा करने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार रोजाना दिनभर में करीब दो लाख लोग बेटिकट यात्रा कर रहे हैं। मुंबई लोकल में फिलहाल लोगों की कैटेगरी निर्धारित करके उन्हें अनुमति दी हुई है। सामान्य होने की स्थिति में सबसे पहले कैटेगरी निर्धारित करने पर ही बात बिगड़ सकती है। लाखों लोगों के लिए ये संभव नहीं है।

28 अक्टूबर को राज्य सरकार ने रेलवे को पत्र लिखकर शर्तों के साथ सामान्य लोगों को अनुमति देने की मांग की थी। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, 28 अक्टूबर के बाद राज्य सरकार द्वारा शिक्षक और बोर्ड की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए अनुमति मांगी गई, लेकिन सामान्य लोगों के लिए अब तक कोई बात नहीं हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने जिस तरह से यात्रियों का वर्गीकरण किया था, उसके बाद रेलवे ने वास्तविक स्थिति बताई। ऐसे में हो सकता है सामान्य यात्रियों के लिए दोबारा वर्गीकरण किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि ये भी संभव है कि वकीलों, सिक्योरिटी गार्ड और महिलाओं की तरह और भी वर्ग को धीरे-धीरे अनुमति दी जाए।

भारत के चीफ जस्टिस की मां को लगाया 2.5 करोड़ का चूना SIT के हत्थे चढ़ा आरोपी

मुंबई : भारत के प्रधान न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे की मां को पारिवारिक संपत्ति की देखभाल करने वाले एक व्यक्ति ने कथित तौर पर ढाई करोड़ रुपए का चूना लगा दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी तापस घोष (49) को मंगलवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया और नागपुर पुलिस का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) डीसीपी विनीता साहू के नेतृत्व में मामले की छानबीन कर रहा है।

अधिकारी ने कहा कि आकाशवाणी चौक के पास बोबडे परिवार के आवास से सटी हुई उनकी संपत्ति है, जिसका नाम सीडन लॉन है। उन्होंने कहा कि विभिन्न आयोजनों पर इसे किराए पर दिया जाता है। अधिकारी ने कहा कि न्यायमूर्ति बोबडे की मां मुक्ता बोबडे इस संपत्ति की मालिक हैं और घोष को इसकी देखभाल करने के लिए नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि घोष पिछले दस साल से संपत्ति का प्रबंधन संभाल रहा था और वित्तीय लेनदेन देख रहा था। उन्होंने कहा कि मुक्ता बोबडे की उम्र और गिरते स्वास्थ्य का फायदा उठाकर घोष ने कथित तौर पर लॉन की फर्जी रसीदें बनाईं और ढाई करोड़ रुपए का घपला किया। अधिकारी ने कहा कि घपले की राशि इससे अधिक भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि घोष और उसकी पत्नी ने लॉन के किराए से प्राप्त पूरा धन जमा नहीं कराया।

किसान आंदोलन के पीछे पाकिस्तान और चीन....रावसाहेब दानवे के बयान पर

संजय राउत बोले- करें सर्जिकल स्ट्राइक

मुंबई : केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने बुधवार को दावा किया कि तीन नए कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग को लेकर जारी किसानों विरोध प्रदर्शनों के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण (एनआरसी) को लेकर पहले मुसलमानों को गुमराह किया गया, लेकिन ये प्रयास सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि अब किसानों को बताया जा रहा है कि नए कानूनों के कारण उन्हें नुकसान होगा। केंद्रीय मंत्री के इस बयान पर पलटवार करते हुए शिवसेना के प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने कहा है कि अगर इसमें पाकिस्तान का हाथ है तो सरकार को सर्जिकल स्ट्राइक करनी चाहिए। दानवे महाराष्ट्र के जालना जिले के बदनापुर तालुका में कोल्टे तकली स्थित एक स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ह्यजो आंदोलन चल रहा है, वह किसानों का नहीं है। इसके पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। इस देश में मुसलमानों को पहले भड़काया

गया। (उन्हें) क्या कहा गया? एनआरसी आ रहा है, सीएए आ रहा है और छह माह में मुसलमानों को इस देश को छोड़ना होगा। क्या एक भी मुस्लिम ने देश छोड़ा?

केंद्रीय मंत्री ने कहा, वे प्रयास सफल नहीं हुए और अब किसानों को बताया जा रहा है कि उन्हें नुकसान सहना पड़ेगा। यह दूसरे देशों की साजिश है। हालांकि मंत्री ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि किस आधार पर उन्होंने यह दावा किया कि किसानों के विरोध के पीछे दोनों पड़ोसी देश हैं। दानवे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के प्रधानमंत्री हैं और उनका कोई भी निर्णय किसानों के खिलाफ नहीं होगा। संजय राउत ने कहा कि अगर केंद्र के एक मंत्री यह जानकारी दे रहे हैं कि यह जो किसान आंदोलन चल रहा है, इसके पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है, तो रक्षा मंत्री को तुरंत चीन और पाक पर सर्जिकल स्ट्राइक करना चाहिए और राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और सेनाओं की चीफ को को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वहीं किसानों के विरोध प्रदर्शन में चीन और पाकिस्तान को घसीटने के लिए दानवे पर चुटकी लेते हुए शिवसेना प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद सावंत ने कहा कि महाराष्ट्र में सत्ता गंवाने के कारण भाजपा नेता अपने होश में नहीं हैं।

शरद पवार के नाम पर उद्धव सरकार लेकर आई योजना, कैबिनेट ने दी मंजूरी

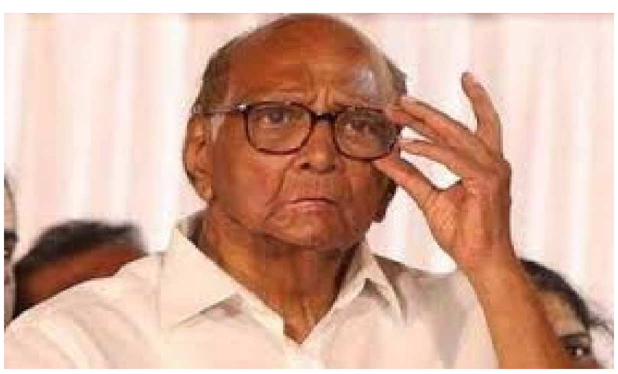

मुंबई : महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार एनसीपी प्रमुख शरद पवार के नाम पर योजना लाने का ऐलान किया है। इस योजना का नाम ह्यशरद पवार ग्राम समृद्धि योजनाह्ल है। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने ह्यशरद पवार ग्राम समृद्धि योजनाह्ल को मंजूरी दी है, जिसे राज्य सरकार के रोजगार गारंटी विभाग द्वारा लागू किया जाएगा।

बता दें कि उद्धव सरकार ने यह योजना उस समय लागू कि है, जब शरद पवार का 12 दिसंबर को जन्मदिन है। पवार के जन्मदिन से ठीक पहले योजना को मंत्रिमंडल से मंजूर किया गया है। शरद पवार ही महाराष्ट्र में वर्तमान गठबंधन सरकार के गठन के पीछे माने जाते हैं। पिछले साल, शरद पवार की वजह से ही शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी का गठन हो सका था।

'कॉमन सेंस नाम की भी कोई चीज होती है'...

ऑनलाइन गलती से सीट गंवाने वाले स्टूडेंट पर सुप्रीम कोर्ट ने IIT-बॉम्बे को दिया निर्देश

मुंबई : महज एक छोटी सी गलती की वजह से आईआईटी-बॉम्बे में अपनी सीट गंवाने वाले 18 साल के स्टूडेंट को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च अदालत ने फैसले में आईआईटी बॉम्बे को स्टूडेंट को इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग में बी-टेक कोर्स जॉइन करने की इजाजत देने का निर्देश दिया है। जस्टिस एस. के. कौल, दिनेश माहेश्वरी और हृषिकेश रॉय की बेंच ने बुधवार को मामले की वर्चुअल सुनवाई करते हुए आईआईटी कॉउन्सिल से कहा, ह्यहमें बताइए कि आप क्यों इजाजत नहीं दे रहे हैं। यह सही नहीं है। जब किसी का ऐडमिशन पूरा हो गया है...तो फिर दाखिला पा चुका एक मेरिटोरियस स्टूडेंट इसे कैंसल क्यों करना चाहेगा?ह्ल दरअसल ऑनलाइन प्रक्रिया में एक गलत क्लिक की वजह से उसे ऐडमिशन नहीं मिला।

बेंच के सामने आईआईटी काउन्सिल सोनल जैन ने नियमों का हवाला देते हुए कहा, ह्यबत्रा ने जॉइंट सीट एलॉकेशन अथॉरिटी (खङ्मरअ) के तहत सीट को फिक्स किया था। उसमें स्पष्ट था कि उसे आगे के राउन्डस के लिए नहीं जाना पड़ेगा। लेकिन बत्रा ने जानबूझकर आठ चरणों की प्रक्रिया से विथड्रॉ का फैसला किया। नियमों के अनुसार फिर से रिस्टोरेशन की इजाजत नहीं है। जस्टिस कौल ने कहा, ह्यहम तीनों ने इस बात पर चर्चा की है। हम सभी एकमत हैं। हम सीट की इजाजत देते हैं। कॉमन सेंस नाम की भी कोई चीज होती है।ह्ल बेंच ने आईआईटी काउन्सिल से कई बार पूछा कि सीट से नाम वापस लेने के लिए स्टूडेंट की तरफ से क्या वजह दी गई। स्टूडेंट ने हाई कोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मां-बाप दोनों को खो चुके आगरा के 18 वर्षीय सिद्धांत बत्रा को अक्टूबर में क्ख्ळ खएए (अडवांस्ड) 2020 में ऑल इंडिया 270 रैंक मिली थी। उसे IIT-बॉम्बे में इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग में बीटेक की सीट भी मिल गई। पर एक छोटी सी चूक से उसके सपनों पर ग्रहण लगने लगा। हुआ यह कि 18 अक्टूबर को वह सीट बंटवारे के पहले राउंड को पूरा कर चुका था। 31 अक्टूबर को अपने रोल नंबर के अपडेट देखते समय उसे एक लिंक मिला, जिस पर लिखा था, ह्यसीट निर्धारण और अगले राउंड से विदड्रॉ। उसने यह सोचकर इस पर क्लिक कर दिया कि उसे मनचाही सीट मिल गई है इसलिए उसे अब अगले राउंड की जरूरत नहीं।

लेकिन 10 नवंबर को उसने पाया कि उसका नाम इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग कोर्स में प्रवेश पाने वाले छात्रों की लिस्ट में नहीं है। इस कोर्स के लिए कुल 93 सीटें थीं। उसने राहत पाने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील की। इस पर 19 नवंबर को सुनवाई, अदालत ने आईआईटी से उसकी अपील पर विचार करने को कहा लेकिन संस्थान ने उसे यह कहते हुए ठुकरा दिया कि नियमतः उसे ऐसे करने का अधिकार नहीं है। प्रवेश के लिए अब सिद्धांत को अगले साल फिर से इस परीक्षा में बैठना होगा। इसके बाद स्टूडेंट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इमरान खान ने ट्विटर पर पहली पत्नी समेत सभी को किया अनफॉलो

पाकिस्तान : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने ट्विटर अकाउंट से सभी को अनफॉलो कर दिया है। खास बात यह है कि उन्होंने अपनी पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ को भी अनफॉलो कर दिया है।

इमरान ने अपना ट्विटर अकाउंट साल 2010 में बनाया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार शाम को पाकिस्तान के ट्विटर उपयोगकताओं को पता चला कि इमरान खान ने अपने ट्विटर अकाउंट से पहली पत्नी, सांसदों और उनसे जुड़े सभी को अनफॉलो कर दिया है। इसके बाद कई उपयोगकताओं ने उन्हें ट्रोल करते हुए लिखा कि खान ने नवाज शरीफ का ट्विटर टाइमलाइन देखने के बाद ये फैसला किया है।

ब्रिटेन के बाद अब अमेरिका में भी फाइजर की कोविड वैक्सीन को मिल सकती है मंजूरी

अमेरिका : अमेरिका ने फाइजर की कोविड -19 वैक्सीन का अपना पहला वैज्ञानिक मूल्यांकन जारी किया है और इसकी पुष्टि की है कि यह मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही कहा है कि सरकार इसे हरी झंडी दे सकती है। अमेरिका के नागरिकों को कोरोना वैक्सीन लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल में कहा था कि अमेरिकियों को कोरोना वायरस वैक्सीन लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा और इसके प्रभाव और सुरक्षा के बारे में चिंतित लोगों के लिए वह सार्वजनिक रूप से टीकाकरण कराने के लिए तैयार हैं।

जो बाइडेन ने वैक्सीन के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह अनिवार्य होनी चाहिए। मैं नहीं चाहता कि यह अनिवार्य हो, ठीक वैसे ही जैसे मुझे नहीं लगता मास्क अनिवार्य हो।

इधर, ब्रिटेन ने मंगलवार को फाइजर और जर्मन पार्टनर बायोएनटेक के टीके के साथ पहले ही टीकाकरण शुरू कर दिया है। एफडीए इस महीने के अंत तक मोडर्ना की वैक्सीन पर विचार करेगा। गौरतलब है कि ब्रिटेन के बाद बहरीन दुनिया का दूसरा देश बन गया है जिसने दवा निमार्ता कंपनी फाइजर और उसके जर्मन सहयोगी बायोनटेक द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल की औपचारिक मंजूरी दी है। बहरीन की सरकारी संवाद एजेंसी ने बीते शुक्रवार रात को इसकी घोषणा की। एजेंसी ने बताया, ह्लउपलब्ध आंकड़ों के गहन विश्लेषण और समीक्षा के बाद बहरीन के स्वास्थ्य नियामक एजेंसी ने इसके आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी है।

हालांकि, बहरीन ने यह नहीं बताया कि उसने टीके की कितनी खुराक खरीदी है और टीकाकरण कब शुरू होगा। एसोसिएटेड प्रेस के सवाल का भी बहरीन की प्राधिकारियों ने तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। बाद में फाइजर ने बताया कि बहरीन को टीके की आपूर्ति और खुराकों की संख्या सहित बिक्री का समझौता गुप्त है और विस्तृत टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि बहरीन पहले ही चीन निर्मित टीके ह्यसाइनोफार्म के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे चुका है और अबतक 6,000 लोगों के ये टीके लगाए हैं।

कोविड-19 से लड़ाई के लिए जो बाइडेन ने तैयार की हेल्थ टीम

अमेरिका : अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए जो बाइडेन ने मंगलवार (स्थानीय समय) को औपचारिक रूप से अपने आने वाले प्रशासन के स्वास्थ्य दल के प्रमुख सदस्यों की घोषणा की, जिसमें भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर विवेक मूर्ति शामिल हैं। ये दल कोविड-19 महामारी को लेकर प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगा। विलमिंगटन, डेलावेयर से एक ब्रीफिंग में बाइडेन ने कहा कि ह्लआज मुझे एक ऐसी टीम की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो बस एक चीज पर काम करेगी। यह अपने क्षेत्र, संकट का परीक्षण करने वाले विश्व स्तर के विशेषज्ञों की एक टीम है, जिन्हें कर्तव्य, सम्मान और देशभक्ति की गहरी भावना से परिभाषित किया जा सकता है।

UAE और सऊदी अरब के 6 दिवसीय दौरे के लिए रवाना हुए नरवाने

सऊदी अरब : सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाने मंगलवार की संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब की छह दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हो गए हैं। इस यात्रा से सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ऐसा पहली बार है जब कोई सेना प्रमुख खाड़ी देशों में जा रहा है। वह इस दौरे के दौरान वहां के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

सेना द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार, नरवाने 13 व 14 दिसंबर को सऊदी अरब में रहेंगे। उन्होंने कहा, ह्लयह एक ऐतिहासिक यात्रा है, ऐसा पहली बार होगा जब कोई भारतीय सेना प्रमुख यूएई और सऊदी अरब के दौरा कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सेना प्रमुख एमएम नरवाने, 9 से 10 दिसंबर को सयुंक्त अरब अमीरात में होंगे। इस दौरान वह वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके भारत-यूएई के रक्षा संबंधों को और बेहतर करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे।

दूसरा दौरे के चरण के लिए वह 13-14 दिसंबर को सऊदी अरब की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के बीच के सुरक्षा सम्बंधित मामलों को बेहतर बनाने के लिए बैठक करेंगे

बता दें, इस साल सेना प्रमुख नरवाने का यह तीसरा विदेश दौरा है। इससे पहले अक्टूबर में उन्होंने विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला के साथ म्यांमार की यात्रा की थी।

चीन ने कहा, LAC पर गतिरोध और घटाने के लिए भारत के साथ काम कर रहे हैं

बीजिंग: भारत और चीन के बीच बीते कुछ महीनों से LAC पर गतिरोध बना हुआ है। इस बीच एक वरिष्ठ चीनी अधिकारी ने मंगलवार को कहा है कि पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को और अधिक घटाने के लिए चीन और भारत काम कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि दोनों देश अगले दौर की वाताओं के लिए विशेष इंतजाम करने को लेकर परामर्श करेंगे।

बता दें कि चीन और भारत की थल सेनाओं ने मई की शुरूआत में उपजे सीमा गतिरोध का हल करने के लिए 6 नवंबर को कोर कमांडर स्तर की आठवें दौर की बैठक की थी।

यह पूछे जाने पर कि अगले दौर की वार्ता कब होगी, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने बीजिंग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, चीन और भारत सीमा मुद्दे पर राजनयिक एवं सैन्य माध्यमों से संवाद कर रहे हैं तथा हम सीमा पर गतिरोध और अधिक घटाने के लिए काम कर रहे हैं। मौजूदा आमसहमति को क्रियान्वित करने के आधार पर हम आगे की वाताओं के लिए विशेष इंतजाम करने को लेकर परामर्श करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय थल सेना के करीब 50,000 सैनिक पूर्वी लद्दाख में विभिन्न बफीली चोटियों पर तैनात हैं।

वहीं, LAC पर गतिरोध को दूर करने के लिए दोनों देशों के बीच कई दौर की वार्ता का अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। चीन ने भी वहां समान संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। बता दें कि गलवान घाटी में इस साल 15 जून को हुई झड़प में भारत के 20 सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे। इस झड़प में चीन के सैनिक भी मारे गए, लेकिन उसने इस संबंध में अब तक जानकारी साझा नहीं की है। अमेरिका की एक खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ झड़प में चीन के 35 सैनिक मारे गए थे, हालांकि चीन ने कभी भी अपने हताहत सैनिकों की संख्या के बारे में साफ-साफ कुछ नहीं कहा।

गौहर खान की ये बिकिनी तस्वीरें मचा चुकी है सनसनी

टीवी और फिल्मी दुनिया में धमाल मचाने वाली गौहर खान किसी परिचय की मोहताज नहीं है। गौहर खान जहां बेबाकी के साथ अपनी हर एक बात सामने रखती हैं, वहीं उनका ये आत्मविश्वास उनके स्टाइल में भी काफी झलकता है। आज हम आपको गौहर खान की कुछ ऐसी पुरानी और बोल्ड तस्वीरें दिखाने वाले हैं, जिससे उन्होंने एक समय आग ही लगा दी थी। गौहर खान की गिनती स्टाइलिश एक्ट्रेस में होती है। गौहर खान के फैशन सेंस की तारीफ करते हुए तो कोई भी नहीं थकता है। ट्रेडिशनल हो या फिर मॉर्डन आउटफिट...गौहर खान पर सब कुछ फबता है। वहीं बोल्ड आउटफिट्स में तो गौहर खान का कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है।

सलमान खान की फिल्मलव केसाथिया ये तूने क्या किया गाने पर रानी चटर्जी ने पोस्ट किया वीडियो

भोजपुरी इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता है जब एक्ट्रेस अपने फैंस के बीच अपनी फोटोज और वीडियोज ना शेयर करती हों। इसी बीच एक्ट्रेस ने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्मलव केसाथिया तूने क्या किया गाने पर लिपसिंक करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। रानी चटर्जी ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा,मैंने कहा न सनम अब तू मेरे साथ है। हालांकि रानी के इस कैप्शन को पढ़ने के बाद कई फैंस यह अनुमान लगा रहे हैं कि रानी चटर्जी उनका हमसफर मिल गया है। वीडियो में रानी मेकअप किए हुए दिखाई दे रही हैं और काफी खूबसूरत लग रही हैं। इस वीडियो को अब तक 8 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। रानी के इस वीडियो को देखने के बाद भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने कमेंट करते हुए लिखा है,यह मेरा पसंदीदा गाना है। रानी के इस वीडियो को देखने के बाद फैंस भी तारीफ भरे कमेंट्स कर रहे हैं।

कुंडली भाग्य स्पॉइलर अलर्ट : शर्लिन की अक्ल ठिकाने लगाने के लिए प्लॉन बनाएगी प्रीता, ऐसे पकड़ी जाएगी चोरी

डेलीसोप क्वीन एकता कपूर के सुपरहिट सीरियल ह्यकुंडली भाग्य में प्रीता की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। माहिरा और शर्लिन मिलकर प्रीती की शादीशुदा जिंदगी में जगर घोल रही हैं। सब कुछ पता होने के बाद भी प्रीता कुछ भी नहीं कर पा रही है। प्रीता शर्लिन और माहिरा से अब तंग आ चुकी है। ऐसे में प्रीता अब इन दोनों की पोल खोलने की प्लानिंग करने वाले है। सीरियल ह्यकुंडली भाग्यह्न की अब तक की कहानी में आपने देखा है कि करवाचौथ के दिन माहिरा प्रीता के खाने में जहर मिला देती है और इसका इल्जाम सरला पर लगा देती है। माहिरा और शर्लिन की वजह से पुलिस सरला को जेल में बंद कर देती है। ऐसे में प्रीता अपनी मां को बहुत याद करती है। प्रीता अपनी मां को याद करके इमोशनल हो जाती है। प्रीता का ये हाल देखकर करण का दिल भी पसीज जाता है और वो सरला की बेल करवाता है। वहीं प्रीता ये बात समझ चुकी है कि शर्लिन और माहिरा ने मिलकर उसकी मां को जेल भेजा है। ये बात जानने के बाद अब प्रीता एक बड़ा कदम उठाने वाली है। सीरियल कुंडली भाग्यह्न के आगामी एपिसोड में आप देखेंगे कि प्रीता शर्लिन और माहिरा की पोल खोलने के लिए एक प्लॉन बनाएगी। प्रीता अब माहिरा और शर्लिन को लूथरा हाउस से बाहर करना चाहती है।

मुंबई / पाक से जाली नोट की सप्लाई मामले में राजू बाटला गिरफ्तार

मुंबई : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने भारतीय चलन के जाली नोट के मामले में चेंबूर के ट्रांबे के चीता कैंप से अकबर हुसैन उर्फ राजू बाटला (45) को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान से 23 लाख 86 हजार रुपए भारतीय चलन के जाली नोट की सप्लाई के मामला में राजू बाटला पर कार्रवाई की गयी है। इससे पहले रायगढ़ पुलिस ने इस साल सितंबर में उसे लाल चंदन की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। राजू बाटला पर 24 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। उसे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की हत्या का षड्यंत्र रचने के मामले में भी गिरफ्तार किया गया था।

एनआईए के इनपुट पर क्राइम ब्रांच ने इस साल 9 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 2 हजार रुपए के जाली नोट की एक बड़ी खेप पकड़ी थी। यह खेप पाकिस्तान से दुबई के रास्ते मुंबई पहुंची थी। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में जावेद गुलामनबी शेख (36) को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 23 लाख 86 हजार रुपए की भारतीय चलन की 2 हजार रुपए की जाली नोट बरामद हुए थी। जांच में पुलिस को उस समय जावेद के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी कनेक्शन होने का शक हुआ था। इसके बाद से इस पूरे मामले की जांच एनआईए भी कर रहा था। एनआईए के जांच में चीता कैंप के पावलीपाडा में रहने वाले अकबर हुसैन उर्फ राजू बाटला का नाम सामने आया है।

एनआईए की जांच में दाऊद इब्राहिम के सरदार नामक गुर्गा के भारतीय चलन की जाली नोट भेजने की बात सामने आयी है। सूत्रों के मुताबिक राजू बाटला ने जावेद के जरिए पाकिस्तान से 2 हजार रुपए की जाली नोट मंगाई थी।

नवी मुंबई में बेअसर रहा किसानों का भारत बंद

नवीमुंबई : दिल्ली में आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में घोषित भारत बंद नवी मुंबई में बेअसर नजर आया। हालात ऐसे रहे कि वाशी की पांचों एपीएमसी मंडियों को छोड़ दें तो अधिकांश इलाकों में स्थितियां सामान्य नजर आयीं।

बता दें कि भारत बंद सुबह 11 से अपरान्ह 3 बजे तक जरूर रहा, लेकिन इस दौरान भी नवी मुंबई के व्यस्ततम ठाणे बेलापुर हाइवे पर वाहनों का तांता नजर आया। कानून व्यवस्था की हालत न बिगड़े, इसके लिए व्यापक पैमाने पर पुलिस बंदोबस्त लगाई गयी थी। मिली जानकारी के अनुसार नवी मुंबई के वाशी एपीएमसी कृषि मंडियों में सम्पूर्ण बंद दिखा। मार्केट के आस पास की दुकानें भी बंद रहीं।

इसके साथ ही ऐरोली एवं पनवेल क्षेत्र में पूरी तरह बंद दिखा। अलबत्ता वाशी, बेलापुर, नेरुल और खारघर तथा कलंबोली आदि इलाकों में बंद का आंशिक असर नजर आया। यहां सामान्य दिनों की तरह लोग अपने कामकाज में व्यस्त रहा। सावधानी के तौर पर लोगों ने आधे दिनों तक दुकानें बंद रखीं फिर खोल दी गयीं।

किसान कानून के खिलाफ नवी मुंबई के सिख समुदाय ने मोर्चा निकाला और भारत बंद का समर्थन किया। इस दौरान सुप्रीम काऊंसिल आफ गुरुद्वारा और पंजाबी कल्चरल एसोसिएशन के सदस्यों ने वाशी के टोल प्लाजा से मानव श्रृंखला बनाकर आंदोलन किया। दोपहर बाद 5 बजे प्रारंभ हुए इस आंदोलन में सिख समुदाय की महिलाओं के साथ ही मासूम बच्चे भी हाथों में बैनर थामे हिस्सा लिया। काला कानून रद्द करो, किसानों को न्याय दो। किसान नहीं तो हिन्दुस्तान नहीं जैसे नारों का बैनर थामे सैकड़ों सिखों ने पनवेल मुंबई हाइवे पर मानव श्रृंखला बनायी और

श्री मोहम्मद इक़बाल हुसैन मंडई को मुमबई के नार्थ वेस्ट जनरल सेक्रेटरी की पोस्ट श्री क्लाईव डायस (नार्थ वेस्ट मुंबई अध्यक्ष) व ताज मोहम्मद (मुंबई जनरल सेक्रेटरी) के हाथो दी गई जिससे नार्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पार्टी कार्यकर्ताओ मै खुशी की लहर है. कांग्रेस पार्टी ने भी एक बार मंडई पर भरोसा दिखाते हुए कहा है कि हमें यकीन है कि आप अपने कार्यकर्ताओं को सही तरीके से गाइड करते हुए पार्टी की छवि को बहुत अच्छा रखेंगे और पार्टी को आगे बढ़ाएंगे.

भिवंडी/ धामनकर नाका क्षेत्र में 9 वर्षीय मतिमंद बालिका के साथ दुष्कर्म

भिवंडी : धामनकर नाका क्षेत्र में रहने वाली 9 वर्षीय मतिमंद लड़की के साथ पड़ोसी युवक द्वारा दुष्कर्म (फंत्री) करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।

पीड़िता की मां की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर नराधम आरोपी इमरान इब्राहिम शेख (38) को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता मतिमंद लड़की के घर के ऊपरी मंजिल पर आरोपी इमरान शेख रहता है। लड़की घर में अकेली थी, उसके मतिमंद होने का फायदा उठाकर आरोपी इमरान ने उसे अपने घर पर बुलाया और उसके साथ कुकर्म किया। घटना के बाद दर्द से पीड़ित लड़की रोती हुई अपने घर के पास बैठी थी। लड़की को रोते हुए देख कर पड़ोसी महिला ने उससे पूछताछ कर पीड़िता लड़की की मां को फोन द्वारा इसकी जानकारी दी। घटना की खबर सुनते ही लड़की की मां दौड़कर घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी मिलने के बाद माता-पिता की पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित लड़की की मां ने इस घटना की शिकायत नारपोली पुलिस स्टेशन में की। नारपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी इमरान इब्राहिम शेख (38) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को 11 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विष्णु आव्हाड कर रहे हैं।

4 चैन स्नैचर गिरफ्तार, साढ़े चार लाख का माल बरामद

ठाणे : चैन स्नैचिंग मोटर-साइकिल और घरों के ताले तोड़ चोरी करने वाले शातिर चोरों के गिरोह का पर्दाफाश ठाणे की नौपाड़ा पुलिस ने किया है। पुलिस ने दो सेज भाइयों सहित कुल चार चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से गहने, एक्टिवा, स्कूटर तथा मोटरसाइकिल जब्त की है। पकड़े गए ऋतिक सीतापराव उर्फ भाई, प्रतीक सीतापराव उर्फ भावडया, वैभव गवली उर्फ बच्ची तथा राकेश गुरुदासानी उर्फ राक्या से पूछताछ में ठाणे शहर पुलिस की सीमा में घरों में हुई चोरी के तीन, चैन स्नैचिंग के तीन, मोटरसाइकिल चोरी के दो, ठाणे ग्रामीण पुलिस की सीमा में हुए एक वारदात का खुलासा हुआ। आरोपियों के पास से मिली जानकारी पर पुलिस ने 2 लाख 64 हजार मूल्य के गहनों, एक एक्टिवा, एक स्कूटर तथा एक मोटरसाइकिल सहित कुल साढ़े चार लाख मूल्य के माल को बरामद किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रफीक एम. शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस ३-४ अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-६३ से मुद्रित कराकर रूम नं. २६, कामा रोड, रोशन नगर, गांव देवी डोंगरी, अंधेरी (प.), मुंबई-५८ से प्रकाशित किया। मो. : ९८३३७७९९२० समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।
संपादक : रफीक एम. शेख सह संपादक : अहमद शेख (मो.७७१५९४९०३२), Email : aib7861@gmail.com / allindiabrigade@gmail.com